हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-20 ♦देहरादून - रविवार 09 मार्च 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

ये दशक उत्तराखंड का बन रहाः पीएम

देहरादून। गुरुवार को हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोले कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वो काशी पहुंच सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है। प्रधानमंत्री ने

दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है, अब अपने बच्चे के प्रति मां गंगा का दुलार ही है कि वो आज खुद मुखवा गांव पहुंच पाए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वो हर्षिल की धरती पर आकर, अपनी दीदी भुलियों को भी याद कर रहे हैं, क्योंकि वो उन्हें हर्षिल की राजमा और अन्य लोकल प्रॉडक्ट भी भेजती रहती हैं।

पीएम ने कहा कि कुछ साल पहले जब वो बाबा केदार के दर्शन के लिए आए थे तो बाबा के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही भाव प्रकट हुआ कि ये दशक उत्तराखंड का होने जा रहा है। ये भाव भले ही उनके थे, लेकिन इसके पीछे सामर्थ देने की शक्ति बाबा केदार की थी। ये दशक अब उत्तराखंड का बन रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए, नए रास्ते खुल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने देशभर के लोगों खासकर युवाओं से सर्दियों में उत्तराखंड आने का आह्वाहन करते हुए कहा कि पहाड़ों में आप धूप का आनंद ले सकते हैं। गढ़वाली में इसे 'घाम तापो पयर्टन' कहते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के कॉरपोरेट से उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि कॉरपोरेट की मीटिंग, कांफ्रेंस, सेमिनार, एक्जीबिशन के लिए देवभूमि से अच्छी जगह नहीं हो सकती है।

हाथ मिलाकर, पीठ थपथपाकर सीएम धामी को पीएम की शाबाशी

देहरादून। शीतकालीन यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शानदार बॉन्डिंग गुरुवार को भी दिखी। प्रधानमंत्री को जब जहां मौका मिला, वह मुख्यमंत्री

को शाबासी देते, प्रोत्साहित करते हुए दिखाई दिए। भाषण खत्म कर मुख्यमंत्री जैसे ही प्रधानमंत्री के करीब पहुंचे, तो पहले तो उन्होंने गर्मजोशी से हाथ मिलाया। बाद में मुख्यमंत्री की पीठ भी थपथपा दी।

एक के बाद एक महत्वपूर्ण फैसले लेने और उन्हें अमल में लाने के मुख्यमंत्री के अंदाज को शीर्ष स्तर पर पसंद किया जा रहा है। चाहे समान नागरिक संहिता हो या राष्ट्रीय खेलों का आयोजन, प्रधानमंत्री के स्तर पर मुख्यमंत्री को भरपूर शाबासी मिली है। अब शीतकालीन यात्रा के लिए राज्य सरकार के प्रयास पर प्रधानमंत्री संतुष्ट नजर आ रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने इसका बार–बार जिक्र भी किया। उन्होंने शीतकालीन यात्रा के उत्तराखंड से जुड़े आर्थिक पहलू को रेखांकित करते हुए इसे अभिनव पहल बताया। साथ ही, इसके लिए मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को धन्यवाद भी दिया।

अपने संबोधन की शुरुआत में मुख्यमंत्री के लिए प्रधानमंत्री ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, वह गौर करने वाले रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटा भाई और ऊर्जावान मुख्यमंत्री कहते हुए संबोधित किया। उन्होंने अपनी केदारनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार बढ़िया काम कर रही है।

हर्षिल में आयोजित शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। जीवन दायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल में आकर मैं धन्य हो गया हूं। शीतकालीन पर्यटन एक और बड़ा महत्वपूर्ण कदम हैं इसके माध्यम से उत्तराखंड के आर्थिक सामर्थ्य को साकार करने में मदद मिलेगी। हमें यहां के पर्यटन को बारह मासी बनाना ये उत्तराखण्ड के लिए बहुत जरूरी है। मैं चाहता हूं उत्तराखण्ड में कोई भी सीजन हो आफॅ सीजन न हो हर सीजन में टूरिज्म ऑन रहे। विंटर टूरिज्म में यहा ट्रैकिंग स्कीइग आदि एक्टिविटी का आयोजन किया जा सकता है। सर्दियों का समय बेहद खास होता है। इसी समय विशेष अनुष्ठान होते हैं। 365 दिन पर्यटन का विजन लोगों को दिव्य अनुभूतियों से जोड़ने का अवसर देगा। इससे यहां साल भर रोजगार के अवसर विकसित होंगे इसका बड़ा फायदा उत्तराखण्ड के लोगों को होगा। पिछले 10 वर्षो में पर्यटन का तेजी से विकास हुआ है।

उत्तराखण्ड के टिम्बरसेंण महादेव, माणा गांव में टूरिज्म इन्फ्रास्टेक्चर

फिर लगेगा पासपोर्ट कैंप, जन जन को मिलेगी सुविधा

रुद्रप्रयाग। जनपद के लोगों को पासपोर्ट बनाने में आसानी हो इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशों पर पासपोर्ट कैंप लगाए जा रहे हैं, जिसमें जन जन को सुविधा मिल रही है। लोगों ने जिलाधिकारी की इस पहल का स्वागत किया है। जनपद में पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने की दिशा में प्रशासन जन हित में बेहतर कार्य कर रहा है। पासपोर्ट मोबाइल वैन सेवा के माध्यम से लोग पासपोर्ट बना रहे हैं। विदेश मंत्रालय के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून के निर्देशों पर 19, 20 एवं 21 मार्च को अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा भवन मैदान में पासपोर्ट बनाने की सेवा मुहैया कराई जाएगी। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि पूर्व में भी इस तरह का कैंप रुद्रप्रयाग गुलाबराय मैदान में आयोजित किया गया था, जिससे काफी लोगों को सुविधा मिली।

सीएचओ को प्रशिक्षण मसीह अस्तपाल में हुआ शुरू

नई टिहरी(आरएनएस)। चंबा और थौलधार ब्लॉक के 10-10 मिलाकर कुल 20 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) को आईसीएमआर (भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद) की पहल पर उनके क्षमता विकास के लिए चंबा के मसीह अस्पताल में छह दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। इस दौरान इस कार्मिकों को प्राथमिक उपचार सहित स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के दौरान किए जाने वाले उपायों की जानकारी दी जाएगी। गुरुवार को नगर पालिकाध्यक्ष शोभनी धनोला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकार हेल्थ सिस्टम को बेहतर करने के लिए कार्य कर रही है। आने वाले दिनों में प्रत्येक अस्पताल पर्याप्त मात्रा में डॉक्टर, स्टॉफ सहित जरूरी उपकरण उपलब्ध हो जाएंगे। आईसीएमआर के प्रभारी निदेशक बोंथा वी. बाबू , मसीह अस्पताल के डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य सीएचओ को 12 मुख्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देना है।

प्रधानमंत्री ने शीतकालीन साहसिक खेलों को दिया बढ़ावा

संवाददाता देहरादून। राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने एवं गंगोत्री धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल उत्तरकाशी के मुखवा गांव में मां गंगा के दर्शन करने आए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हर्षिल, उत्तरकाशी में शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम के तहत 2 मोटर बाइक रैली एवं 2 ट्रैक रूट दलों को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने धार्मिक पर्यटन के साथ शीतकाल के समय उत्तराखंड में होने वाले साहसिक खेलों को भी बढ़ावा दिया। जिसके तहत उन्होंने नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पीडीए घाटी के अद्भुत और अनछुए पर्यटन गंतव्यों के लिए साहसिक पर्यटन अभियानों का फ्लैग ऑफ किया।

पटेलनगर में बस्तियों को बचाने के लिए किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। बस्ती बचाओ आंदोलन के तहत विभिन्न जन संगठनों ने पेटलनगर में लालपुल पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने रिस्पना–बिंदाल पर एलिवेटेड सड़क की योजना को निरस्त करने और बस्तियों में रह रहे लोगों को मालिकाना हक देने की मांग की है। इसके लिए डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। गुरुवार को जन संगठनों से जुड़े लोग लालपुल पर एकत्र हुए। यहां सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार रिस्पना–बिंदाल नदी के ऊपर एलिवेटेड सड़क की योजना पर काम कर रही है, जो कि उचित नहीं है, इससे बस्तियों को खतरा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए इस योजना को निरस्त कर बस्ती के लोगों के साथ मालिकाना हक देने का जो वायदा किया है, उसे पूरा करे।

सेंसोडाइन ने वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत की

संवाददाता देहरादून। सेंसोडाइन जो हेलियोन का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। सेंसोडाइन ने अपने नए 20 रूपये के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा।

सम्पादकीय

हर्षित हैं, हर्षिल-मुखबा

"निर्झरिण्यः सरितश्च, काननानि मनोहरम्।
औषधीयः बहुविधाः, पर्वतेषु सुखावहम।।
तत्र यात्री लभेत् आरोग्यं, शान्तिं सौन्दर्यमादरम्।
मेडिकोपि तत्र लाभः, ईको रम्यं धनं पुनः।।

अर्थात

देवभूमि उत्तराखण्ड में निरंतर गिरते झरने, कल-कल करती नदियाँ, और मनोहर वन हैं। यहां के पर्वतों में , वनों में अनेक औषधियाँ विद्यमान है,जो सुखदायक हैं। यहाँ आ कर पर्यटक स्वास्थ्य, शांति और सौंदर्य प्राप्त करते हैं।यहां पर मेडिको टूरिज्म और ईको टूरिज्म अपार लाभकारी हैं।

प्रधानमंत्री जी के हर्षिल-मुखबा आगमन एवं उनके आत्मीय व ओजस्वी उद्बोधन से उत्तराखंड का शीतकालीन पर्यटन गदगद है,अति हर्षित है, प्रफुल्लित है। प्रधानमंत्री मोदी,उत्तराखंड के संभावनापूर्ण "एडवेंचर ट्रैकिंग" के लिए सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर सिद्ध हुए। प्रधानमंत्री जी के सानिध्य ने शीतकालीन पर्यटन को नई ऊंचाई पर जाने की अप्रतिम ऊर्जा प्रदान कर दी है।

वैसे तो देवभूमि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक संपदा और मनोहारी दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के ऊंचे-ऊंचे पर्वत, घने जंगल, कलकल करती नदियां और जलप्रपात हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। वन औषधियों की समृद्धता ने इस भूमि को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यहां का शांत वातावरण और शुद्ध हवा, मानव मन और शरीर को स्फूर्तिदायक अनुभव प्रदान करती है।

उत्तराखंड में पर्यटन के विभिन्न आयामों के विकास की व्यापक व असीम संभावनाएं हैं। विशेष रूप से एडवेंचर टूरिज्म,मेडिको टूरिज्म और ईको टूरिज्म के क्षेत्र में काफी विकास हो सकता है। पहाड़ों की गोद में स्थित प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, आयुर्वेदिक उपचार, योग और पंचकर्म जैसी विधियां पर्यटकों को आकर्षित कर सकती हैं। साथ ही, पर्यावरण प्रेमियों के लिए जंगल सफारी, पर्वतारोहण, ट्रैकिंग तथा नदियों के किनारे शिविर जैसे ईको टूरिज्म के विकल्प अद्वितीय अनुभव प्रदान कर सकते हैं। इन संभावनाओं का विस्तार राज्य की आर्थिकी को विकसित और सुदृढ़ कर सकता है।

देवभूमि में पर्यटन के विकास व गांवों की आत्मनिर्भरता हेतु हमारे प्रयास अहर्निश जारी रहेंगे।।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!जय भारत !!

डॉ.गार्गी मिश्रा

अजरबैजान ने मौके का फायदा उठाया

श्रुति व्यास

कत्लेआम तो टल गया लेकिन उसने बड़े पैमाने पर पलायन का स्वरुप ले लिया। पिछले हफ्ते अजरबैजान ने अपनी ही नागोर्नो-काराबाखध पर सैन्य आक्रमण किया जिसमें केवल एक दिन में 200 से अधिक लोग मारे गए। लेकिन अगले दिन ही युद्धविराम कायम हो गया और क्षेत्र में सक्रिय अर्मेनियाई अलगवावादी आत्समर्पण करने और अपने संगठन को भंग करने के लिए राजी हो गए। इसका मतलब हुआ अजरबैजान की जीत। इस इलाके में तीन साल पहले तैनात की गई रूस की शांतिसेना की मध्यस्थता से हुए इस समझौते का एक अर्थ है नागोर्नो-काराबाखध का अर्ध-स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा समाप्त हो जाना। अभी तक 13,000 लोग इस इलाके से आर्मेनिया के लिए पलायन कर चुके हैं। रास्ते में एक पेट्रोल स्टेशन पर हुए बम विस्प. ोट में 200 लोग घायल हो गए। आर्मेनिया की सीमा पर गाडियों की रेलमपेल है और देश के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में नस्लीय सफाई जारी है। वहां के बहुत से लोग अपने जीवन में दूसरी या तीसरी बार शरणार्थी बन गए हैं। नार्गोनो-काराबाख में आर्मेनियाई रहते हैं लेकिन यह औपचारिक रूप से अजरब. ैजान का हिस्सा है और यहां पिछले तीन दशकों में खून-खराबे भरे दो बड़े युद्ध हो चुके हैं। सन् 2020 में हुए अंतिम युद्ध में अजरबैजान ने कई ऐसे इलाकों पर कब्जा कर लिया जो सन् 1990 के दशक से आर्मेनियाई सुरक्षा बलों के नियंत्रण में थे। अजरबैजान के हालिया हमले को भी 'आतंकी विरोधी कार्यवाही' कहा गया जिसका उद्धेश्य संवैधानिक व्यवस्था दुबारा स्थापित करना था। और अजरबैजान ने एक दिन में वह हासिल कर लिया जो वह पिछले तीन दशकों में नहीं कर पाया था।

लेकिन नार्गोनो-काराबाख पर सैन्य आक्रमण और उसके नतीजे में एक मानवीय त्रासदी उत्पन्न कर अजरब. ैजान के राष्ट्रपति इलहम एलियेव ने पश्चिम को नाराज कर लिया है। पिछले सप्ताह जर्मनी की विदेशमंत्री अन्नालेना बेयरबोक ने बाकू को ष्बलप्रयोग न करने के बार-बार दिए गए आश्वासन को तोडने, जिसके नतीजे में पहले से ही बदहाल लोगों को जबरदस्त कष्ट झेलना पड़ रहा हैष का दोषी ठहराया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अजरबैज. ानी सरकार 'निरंकुश' है। पश्चिम में यह व्यापक मान्यता है कि शांति कायम रखने की जिम्मेदारी निभा रहे रूसियों ने अजरबैजान की मदद की क्योंकि हाल के महीनों में आर्मेनिया का झुकाव पश्चिम की ओर बढ़ गया है। जहां तक अजरबैजान का सवाल है, कहा जाता है कि वह कई सालों से कथित 'कैवियार कूटनीति' का सहारा ले रहा है अर्थात धन और उपहारों के जरिए यूरोप में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। गार्जियन ने एक खबर में खुलासा किया है कि अजरब. ैजान ने ब्रिटिश कंपनियों के एक गुप्त नेटवर्क के जरिए यूरोप में अपनी समर्थकों, पैरवी करने वालों और राजनीतिज्ञों को भेंट देने के लिए 2.9 अरब डालर देश से बाहर भेजे। यह पैसा लक्जरी गुड्स और सेवाएं हासिल करने और अजरब. ैजान के प्रभावशाली लोगों के लिए मनी लांडरिंग करने के लिए भी प्रयुक्त हुआ। अजरबैजान की 'कैवियार कूटनीति' का नतीजा यह हुआ कि यूरोप ने 2020 के नार्गोनो-काराबाख युद्ध में बाकू द्वारा किए गए अत्याचारों को नजरअंदाज कर उससे नजदीकी कायम कर ली। सन् 2022 में रूस के अलावा पेट्रोलियम प्रदाय के नए विकल्प ढूंढ़ रहे यूरोपियन कमीशन के अध्यक्ष उरसुला वोन डेर लेयन बाकू पहुंची और उन्होंने अजरब. ैजान को एक 'महत्वपूर्ण' एवं 'विश्वसनीय' ईधन सप्लायर बताते हुए उसकी प्रशंसा की और एक समझौते की घोषणा की जिसके अंतर्गत सन् 2027 तक ईयू द्वारा अजरबैजान से खरीदी जाने वाली गैस की मात्रा दुगनी की जाएगी। अजरबैजान हालाँकि नार्गोनो-काराबाख के निवासियों को आश्वस्त कर रहा है कि उनका नुकसान नहीं किया जाएगा लेकिन ये लोग भयभीत हैं। अलगावादियों द्वारा युद्धविराम स्वीकारने और हथियार छोडने के लिए राजी होने के बाद से अब तक केवल 70 टन खाद्यान्न की राहत सामग्री की एक खेप को वहां आने की अनुमति दी गई है। आर्मेनियाई जातीय समूह के नेताओं का कहना है कि हजारों लोग छत और भोजन से महरूम हैं और तलघरों, स्कूल के भवनों और खुले में सोने पर मजबूर हैं।

सांसदों को विधायकी लड़ाने पर सवाल

अजीत द्विवेदी

पहले भी ऐसा होता था लेकिन वह अपवाद था कि सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाए। अब भारतीय जनता पार्टी ने इस अपवाद को नियम बना दिया है। वह सभी राज्यों में सांसदों को विधानसभा के चुनाव लड़ाती है। यहां तक कि केंद्रीय मंत्री भी विधानसभा का चुनाव लड़ते हैं। अभी मध्य प्रदेश में भाजपा ने तीन केंद्रीय मंत्रियों- नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को चुनाव मैदान में उतारा है। हैरानी नहीं होगी अगर चौथे मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी चुनाव में उतारा जाए। इससे पहले त्रिपुरा में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक को चुनाव लड़ाया गया था। उससे भी पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक और बाबुल सुप्रियो को चुनाव लड़ाया था। हालांकि बाबुल सुप्रियो चुनाव हार गए थे। अब कहा जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में भी कुछ केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाएगी। केंद्र जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल दोनों के नाम की चर्चा है। तेलंगाना में भाजपा के चार सांसद हैं, जिनमें से एक जी किशन रेड्डी केंद्र सरकार में मंत्री हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा ने केंद्रीय किया है। खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्य, जहां से चुनाव लड़ेंगे वहां भाजपा अपने सांसदों को मैदान में उतारेगी। पहले भी पार्टियां विधानसभा चुनाव में अपने पक्ष में हवा बनाने के लिए बड़े चेहरों को मैदान में उतारती थी। इसलिए कई बार सांसदों को भी चुनाव लड़ाया जाता था। लेकिन यह काम तब होता था जब पार्टियों के पास कोई करिश्माई नेतृत्व नहीं होता था या जब पार्टी मुश्किल मुकाबले में फंसी होती थी। तभी हैरानी है कि भाजपा के पास नरेंद्र मोदी का चेहरा है और पार्टी मान रही है कि कहीं भी उसकी लड़ाई नहीं है, वह आराम से चुनाव जीत रही है तब भी इतनी बड़ी संख्या में सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ा रही है। बहरहाल, सांसदों या केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा का चुनाव लड़ाने को लेकर कुछ नैतिक व राजनीतिक सवाल हैं, जिनका जवाब पार्टियों को देना चाहिए।

पहले तो सांसदों के विधानसभा का चुनाव लडना ही सवाल खड़े करता है। एक सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र की पांच या छह विधानसभा सीटों का प्रतिनिधित्व करता है। उसको एक विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने की क्या तुक है? क्या इससे पक्षपात की संभावना नहीं बनती है? यह हो सकता है कि सांसदों को अंदाजा हो खास विधानसभा क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देते हों। यह भी हो सकता है कि अगर चुनाव लड़ रहा सांसद विधानसभा का चुनाव हार जाए तो बतौर सांसद वह उस क्षेत्र की जनता से बदला लेने के लिए उस विधानसभा क्षेत्र में काम न कराए या अपनी निधि का पैसा वहां खर्च न करें? इस तरह यह एक तरह के पक्षपात की संभावना को जन्म देता है। पांच या छह सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी सांसद को विधानसभा का चुनाव लड़ाने से यह मैसेज तो बनता है कि पार्टी ने बड़ा चेहरा उतारा है लेकिन इससे उस सांसद का कद छोटा होता है।

दूसरा सवाल राजनीतिक नैतिकता को लेकर है। अगर कोई सांसद विधानसभा का चुनाव जीत जाता है तो इसका मतलब है कि किसी एक सीट पर निश्चित रूप से उपचुनाव होगा। क्योंकि या तो वह लोकसभा की सीट छोड़ेगा या विधानसभा का। यह सिर्फ अभी के चुनाव की बात नहीं है। अभी लोकसभा का कार्यकाल बहुत कम बचा हुआ है इसलिए हो सकता है कि विधायक बनने के बाद कोई सांसद इस्तीफा दे तो उपचुनाव नहीं कराया जाए। लेकिन आमतौर पर अगर कोई नेता लोकसभा और विधानसभा दोनों सीटों पर जीता हुआ होता है तो वह एक सीट से प्रमाणिक और जगन्नाथ सरकार की सीट पर हुआ या त्रिपुरा में प्रतिमा भौमिक की सीट पर हुआ। इस तरह के उप चुनाव के लिए आचार संहिता लगती है, केंद्रीय बलों की तैनाती होती है, बड़े नेता कामकाज छोड़ कर प्रचार करते हैं और चुनाव आयोग का बेवजह खर्च बढ़ता है। सोचें, एक तरफ पूरे देश में एक चुनाव के लिए विधानसभा और लोकसभा का कार्यकाल फिक्स्ड करने पर विचार हो रहा है तो दूसरी ओर सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है! केंद्र सरकार ने एक देश, एक चुनाव पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में आठ सदस्यों की एक कमेटी बनाई है। सबको अंदाजा है कि एक देश, एक चुनाव का कोई भी सिद्धांत तभी कामयाब हो सकता है, जब लोकसभा और विधानसभा का कार्यकाल फिक्स्ड किया जाए। यानी तय कर दिया जाए कि पांच साल के भीतर किसी हाल में लोकसभा और विधानसभा भंग नहीं होगी ताकि सरकार गिरने पर मध्यावधि चुनाव न कराना पड़े। ऐसा एक कानून ब्रिटेन की संसद ने पास किया था लेकिन 2017 में उसे बदल दिया गया। बहरहाल, एक तरफ फिक्स्ड कार्यकाल की बात हो रही है तो दूसरी ओर लोकसभा के सांसदों को विधवना पैदा करने वाला कदम है!

आखिर में एक बड़ा सवाल केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ाने पर है। अगर कोई केंद्रीय मंत्री विधानसभा का चुनाव लड़ता है तो यह प्राकृतिक न्याय के विरूद्ध होता है। इससे चुनाव का मैदान बराबरी का मैदान नहीं रह जाता है। केंद्रीय मंत्री देश के 140 करोड़ लोगों का मंत्री होता है। उसका कद और प्रोटोकॉल बहुत बड़ा होता है। उसकी सुरक्षा और अन्य तामझाम बहुत बड़ा होता है। जबकि दूसरी ओर उसके खिलाफ लडने वाला नेता किसी पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हो सकता है। अगर वह राज्य का मंत्री भी है तब भी उसका दर्जा बहुत नीचे है। दूसरे उम्मीदवार के प्रति स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चुनाव आयोग के अधिकारियों-कर्मचारियों का रवैया वही नहीं रहेगा, जो केंद्रीय मंत्री के प्रति होगा। कोई कुछ भी दावा करे लेकिन इससे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की संभावना प्रभावित होती है। तभी दुनिया के कई देशों में आम चुनाव से पहले सरकार को हटा दिया जाता है और कोई कार्यवाहक सरकार चुनाव कराती है। भारत में ऐसी व्यवस्था नहीं है। फिर भी आम चुनावों की बात अलग है लेकिन अगर केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी अपने किसी मंत्री को विधानसभा का चुनाव लड़ाती है तो उसे

विवेकानंद संस्थान के श्रमिकों को विधायक मनोज तिवारी का समर्थन

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के दैनिक श्रमिक अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। वर्षों से कार्यरत इन श्रमिकों को संस्थान द्वारा निकाले जाने का भय सता रहा है। इसके साथ ही, उनकी सेवा को हर वर्ष एक दिन के लिए रोके जाने का नियम लागू किया जा रहा है, जिसे 'सर्विस ब्रेक' कहा जा रहा है। श्रमिकों का कहना है कि अब तक इस तरह का कोई नियम लागू नहीं था, फिर अब ऐसा फैसला क्यों लिया जा रहा है। इस आंदोलन को अल्मोड़ा के विधायक मनोज तिवारी ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि इन श्रमिकों में कई 25, 20 और 15 वर्षों से संस्थान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें हटाया गया, तो उम्र के इस पड़ाव में उनके परिवारों का भरण-पोषण संकट में आ जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अब

तक 'सर्विस ब्रेक' का कोई नियम नहीं था, तो अब इस तरह का भयावह माहौल क्यों बनाया जा रहा है। विधायक तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के ये श्रमिक अपनी सीमित आय से परिवार चला रहे हैं। ऐसे में संस्थान को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन श्रमिकों पर पुराने नियम ही लागू करने चाहिए, जो वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूपीएस का कर्मचारियों ने किया जोरदार विरोध

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जिले में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने मुख्यालय में यूनिफाइड पेंशन स्कीम यूपीएस का विरोध किया। सभी कार्मिकों ने एक स्वर में कहा कि ओपीएस बहाली के सिवा कोई भी पेंशन स्कीम को संयुक्त मोर्चा स्वीकार नहीं करेगा। कर्मचारियों ने यूपीएस के विरोध में नारे लगाए और प्रदर्शन किया। यहां आयोजित सभा में प्रांतीय प्रवक्ता शंकर भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में यूपीएस लागू करना दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। उन्होंने कहा कि आगामी 23 मार्च को नोप्रुफ द्वारा दिल्ली जंतर मंतर पर यूपीएस का विरोध किया जाएगा, जिसमें प्रदेश से बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल होंगे। प्रांतीय कोषाध्यक्ष रणवीर सिंधवाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली तक संयुक्त मोर्चा लगातार संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि आगामी 23 मार्च को अधिक से अधिक से संख्या में दिल्ली जंतर मंतर पर पहुंच कर यूपीएस जैसी गुमराह करने वाली स्कीम का विरोध करें।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद भट्ट ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए उत्तराखंड में ठीक वैसा ही आंदोलन होगा, जैसा पृथक राज्य उत्तराखंड के लिए हुआ था। चूंकि लोकतंत्र में कर्मचारियों की आवाज को दिन प्रतिदिन दबाया जा रहा है, जिससे समस्त कर्मचारी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। जखोली के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण घिघड़ियाल ने सभी कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि अपने सुखद भविष्य और सुरक्षित बुढ़ापे के लिए सभी विभागों के कर्मचारी एक मंच पर आकर यूपीएस और एपीएस का विरोध करें। अपनी ताकत और उपस्थिति से सरकार को जगाने में साथ दें। विरोध प्रदर्शन करने वालों में हरिवल्लभ डिमरी, पवन नौटियाल, राम सिंह कैंतुरा, त्रिलोक सिंह रावत, नवल किशोर सेमवाल, विक्रम सिंह नेगी, संतोष भट्ट, नवीन सजवाण, देवेश्वरी सेमवाल, शकुंतला नौटियाल, शशि गोस्वामी, मंजू कुंवर, ममता रावत, शैलेश देवशाली, जयप्रकाश राणा, कमलेश पाल, अनिल शुक्ला, चंद्र बल्लभ देवली, अरुण पुरोहित आदि मौजूद थे।

सेमंडीधार में हुआ दिव्यांग शिविर आयोजित

नई टिहरी(आरएनएस)। जखणीधार ब्लॉक के ढुंगमंदार पट्टी के लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सेमंडीधार में दिव्यांग शिविर आयोजित किया। जिसमें दिव्यांग जनों के प्रमाण पत्र, यूनिक आईडी, विभिन्न पेंशन के आवेदन पत्र जमा किए गए। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भेजी। जखणीधार की ब्लॉक प्रशासक सुनीता देवी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए दिव्यांग जनों को प्रमाण पत्र व्हीलचेयर बैसाखी आदि सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ब्लॉक प्रशासक ने कहा कि जनप्रतिनिधियों से लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वह दिव्यांग, निर्वासित,वृद्ध, किसान महिलाओं आदि को सरकार की योजना का लाभ लाने में मदद करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रेष्ठा भाकुनी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में एक व्हीलचेयर, 8 छड़ी, 6चशमें, एक बैशाखी, 5 प्रमाणपत्र सहित वृद्धावस्था, निर्वासित,दिव्यांग पेंशन सहित 40 पंजीकरण हुए। राफेल संस्थान की रिंकी चमोली, मधु ने मानसिक रोगियों का परीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. नीरज कर्डम, डॉ. मोइन खान ने दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाए। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी रोशन लाल, सहायक समाज कल्याण अधिकारी मनीष तिवारी, वीडीओ अर्चना पंवार, दीपक बिष्ट, पूर्व क्षेत्र सदस्य विजयपाल रावत, दिनेश कुमार, अरविंद देसवान, प्रशासक राकेश बगियाल, दौलत लसियाल, नरेश कुमाईं, गंभीर रमोला, दर्शन सिंह रमोला, शीशराम गुसाईं, सुधीर उनियाल, शेर सिंह रावत आदि मौजूद थे।

नशे के खिलाफ डीएम ने चलाई बाइक, एसपी पीछे बैठे

बागेश्वर(आरएनएस)। नशा मुक्ति अभियान और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को नगर में भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जिलाधिकारी आशीष भटगांई और पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोडके ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। डीएम ने बाइक भी चलाई और एसपी उनके पीछे बैठे। यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों पर गई। डीएम ने नशे के दुष्प्रभाव और सड़क सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य बल्कि जीवन को भी समाप्त करता है और इससे बचाव के लिए व्यापक जागरूकता आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा के लिए सतर्क रहना चाहिए और यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। तहसील परिसर से शुरू हुई बाइक रैली गोमती पुल, एसबीआई

तिराहा, सरयू पुल, पिंडारी रोड, आरे बाईपास और मंडलसेरा से होकर पुनः तहसील रोड पर संपन्न हुई। यातायात नियमों के पालन का महत्व बताते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा में लापरवाही जीवन के लिए खतरा बन सकती है। बाइक रैली के माध्यम से नशा मुक्ति और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

चमोली(आरएनएस)। नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने यात्रा मार्गों की स्थिति, पड़ावों पर तैयारी

और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के सफल और सुगम आयोजन के लिए अधिकारियों को निर्माण कार्यों के साथ की जाने वाली तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बैठक के दौरान नंदा देवी राजजात यात्रा को लेकर यात्रा पड़ावों पर पार्किंग, आवास, पेयजल और विद्युत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए किए जाने वाले कार्यों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा तैयारियों को लेकर 25 उप समितियों का गठन करने के साथ ही 25 सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। वहीं यात्रा मार्ग पर किए जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए जन प्रतिनिधियों, समितियों और ग्रामीणों की और से 5 सौ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रस्तावों पर कार्रवाई और दोहराव न हो इसके लिए प्रस्तावों के परीक्षण करने के जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को विधायकगणों व समितियों के साथ बैठक कर प्रस्तावों को लेकर चर्चा करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा के सड़क मार्ग वाले क्षेत्रों में पार्किंग स्थलों को चिंहित करने और नए पार्किंग स्थलों की आवश्यकता को लेकर रिर्पोट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडे ने बताया कि चमोली जनपद में आयोजित होने वाली नंदा देवी राजजात विश्व की सबसे लम्बी 230 किमी की पैदल यात्रा है। यात्रा जनपद के 6 विकासखंडों के 25 पड़ावों से होकर गुजरती है। यात्रा के सफल और सुचारु संचालन के लिए पड़ावों के साथ ही यात्रा मार्ग पर कार्य किए जाने है। जिसके लिए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार व अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश भी मौजूद थे।

एनआईटी उत्तराखंड ने विकसित किया बायोमास कुकिंग स्टोव

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने ग्रामीण भारत के लिए एक स्वच्छ और कुशल बायोमास कुकिंग स्टोव विकसित किया है। यह स्टोव गैसीफिकेशन प्रक्रिया और पोरस रेडियंट बर्नर तकनीक पर आधारित है, जो खाना पकाने के लिए बायोमास ईंधन का उपयोग करता है। इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे डॉ. नीरज कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि इसे विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (डीएसटी) की कोर रिसर्च ग्रांट योजना के तहत वर्ष 2022 में तीन वर्षों के लिए स्वीकृति मिली थी और यह मार्च 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। उत्तराखंड के जंगलों में हर वर्ष वनाग्नि की घटनाएं बड़े पैमाने पर बायोमास अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं। यह परियोजना ऐसे कचरे का सतत ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करके पर्यावरणीय नुकसान को कम करने और इसे रसोई की ऊर्जा जरूरतों के लिए कारगर विकल्प में बदलने का प्रयास कर रही है। परियोजना के तहत दो अलग-अलग प्रकार के बायोमास कुकिंग स्टोव मॉडल विकसित किए गए हैं। इन्हें थर्मल दक्षता को अधिकतम करने और उत्सर्जन को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह न केवल स्वस्थ और स्वच्छ खाना पकाने के लिए उपयुक्त है, बल्कि यह सरकार के सतत ऊर्जा समाधान और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के भी अनुरूप है। संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. के. के. शुक्ल ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा, ऐसे नवाचार ग्रामीण ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ वनाग्नि प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक सिद्ध होगा।

वसंतोत्सव-2025 के लिए तैयार राजभवन

देहरादून(आरएनएस)। राजभवन, देहरादून में 07 से 09 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय वसंतोत्सव-2025 (पुष्प प्रदर्शनी) का आयोजन हो रहा है। इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए उद्यान विभाग द्वारा सभी

तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वसंतोत्सव का शुभारंभ 07 मार्च को प्रातः 10 बजे राज्यपाल द्वारा किया जाएगा। पुष्प-प्रदर्शनी 07 मार्च को दोपहर 1 बजे से सायं 6 बजे तक तथा 08 और 09 मार्च को प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक जनसामान्य के लिए निःशुल्क खुली रहेगी।

इस आयोजन में 15 मुख्य प्रतियोगिताओं की कुल 55 उप-श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित विजेताओं को 9 मार्च को कुल 165 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

राज्यपाल के निर्देशन में इस वर्ष वसंतोत्सव में कई नवीन पहल शुरू की गई हैं। उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा इस आयोजन में आने वाले लोगों की गणना एआई एप्लिकेशन के माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए राजभवन के मुख्य द्वार पर एआई इनेबल कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा वसंतोत्सव में आने वाले आगंतुक वेबसाइट ूअउेइनजन.पज. बवउ पर भी पंजीकरण कर सकते हैं, जहां रजिस्ट्रेशन करने पर आगंतुक की सुविधा के लिए एक आई-कार्ड जनरेट होगा, यह रजिस्ट्रेशन ऐच्छिक होगा।

आईटीडीए द्वारा फीडबैक सिस्टम के लिए क्यूआर कोड लगाए गए हैं, जिससे आगंतुक अपने सुझाव और अनुभव साझा कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य वसंतोत्सव को और अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाना है। वसंतोत्सव-2025 न केवल पुष्प प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होगा, बल्कि यह नवाचार और तकनीकी विकास के नए आयाम भी स्थापित करेगा।

शीतकालीन गद्दी स्थल पर पूजा अर्चना कर पीएम ने निहारा भव्य हिमालय

देहरादून(आरएनएस)। अपने एक दिवसीय दौरे पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले मुखवा गांव में मां गंगा के शीतकालीन गदध्दी स्थल पर पूजा - अर्चना कर देशवासियों के लिए सुख - समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री ने विधि - विधान से मां गंगा की पूजा कर भोग भी चढ़ाया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने रांसों नृत्य से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मुखवा गांव से ही भव्य हिमालय के दर्शन किए। प्रधानमंत्री काफी देर तक व्यू प्वाइंट से बर्फ से लकदक चोटियों के साथ ही हर्षिल घाटी से बहती भागीरथी नदी की सुंदरता को निहारते रहे। इसके बाद वो सड़क मार्ग से हर्षिल कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले उत्तराखंड में शीतकालीन यात्रा पर आधारित एक्जीबिशन का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में उत्तराखंड के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों को दर्शाया गया था। इसके बाद उन्होंने ट्रैकिंग एवं बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कांवली, पलटन बाजार, धामावाला में आंतरिक सड़कों की दशा सुधरेगी

- विधायक खजान दास ने आन्तरिक मार्गों के 345.68 लाख रुपये से अधिक के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास देहरादून(आरएनएस)। राजपुर रोड विधायक खजान दास ने गुरुवार को कांवली रोड, पलटन बाजार, धामावाला, मोती बाजार, झंडा वार्ड के निवासियों को आन्तरिक मार्गों के 345.68 लाख रुपये से अधिक के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास कर सौगात दी। जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। क्षेत्रवासी पिछले काफी समय से आन्तरिक मार्गो के सुधारीकरण की मांग कर रहे थे। खजानदास ने संबंधित अधिकारियों निर्देश दिये कि निर्माण कार्य गुणवत्तायुक्त निर्धारित समयावधि में पूरे किए जाएं। इस अवसर पर विधायक खजानदास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। इस अवसर पर ईई पीडब्ल्यूडी जितेन्द्र त्रिपाठी, हरीश डोरा, विशाल गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष भाजपा पंकज शर्मा, पार्षद संतोख नागपाल, अनीता गर्ग, वैभव अग्रवाल, विमला गौड़, अंकुर जैन सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने मुखवा से दिया शीतकालीन यात्रा का जोरदार संदेश

देहरादून(आरएनएस)। एक दिवसीय शीतकालीन यात्रा पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुखवा और हर्षिल से उत्तराखंड में शीतकालीन तीर्थाटन और पर्यटन की जोरदार ब्रांडिंग की है। प्रधानमंत्री ने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों से लेकर कॉरपोरेट और फिल्म उद्योग तक को विंटर सीजन में उत्तराखंड आने का निमंत्रण

दिया।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग 'घाम तापो टूरिज्म' के तौर पर की है।

गुरुवार को हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गदध्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोले कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वो काशी पहुंच सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है। प्रधानमंत्री ने दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है, अब अपने बच्चे के प्रति मां गंगा का दुलार ही है कि वो आज खुद मुखवा गांव पहुंच पाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वो हर्षिल की धरती पर आकर, अपनी दीदी भुलियों को भी याद कर रहे हैं, क्योंकि वो उन्हें हर्षिल की राजमा और अन्य लोकल प्रॉडक्ट भी भेजती रहती हैं।

बन रहा उत्तराखंड का दशक

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले जब वो बाबा केदार के दर्शन के लिए आए थे तो बाबा के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही भाव प्रकट हुआ कि ये दशक उत्तराखंड का होने जा रहा है। ये भाव भले ही उनके थे, लेकिन इसके पीछे सामर्थ देने की शक्ति बाबा केदार की थी। अब बाबा के आशीर्वाद से ये शब्द धीरे- धीरे सच्चाई में बदल रहे हैं। ये दशक अब उत्तराखंड का बन रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए, नए - नए रास्ते खुल रहे हैं, जिन आकांक्षाओं को लेकर उत्तराखंड का जन्म हुआ था, उत्तराखंड नित नए लक्ष्य और संकल्प लेते हुए, उन्हें पूरा कर रहा है।

शीतकालीन यात्रा पर सीएम की पहल को सराहा

प्रधानमंत्री ने शीतकालीन तीर्थाटन - पर्यटन पर जोर देते हुए कहा कि इसके माध्यम से उत्तराखंड की आर्थिक सामर्थ को साकार करने में बहुत बड़ी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस अभिनव पहल के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए अपने टूरिज्म सेक्टर को बहूआयामी या बारामासी बनाना बहुत जरूरी है। उत्तराखंड में 365 दिन का पर्यटन जरूरी है। वो चाहते हैं कि उत्तराखंड में कोई भी पर्यटन सीजन ऑफ नहीं रहे, बल्कि हर सीजन में टूरिज्म ऑन रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी पहाड़ों पर मार्च से जून के बीच ही ज्यादातर पर्यटन आते हैं, जबकि इसके बाद पर्यटकों की संख्या बहुत कम हो जाती है। अभी सर्दियों के सीजन में होटल, रिजॉर्ट, होम स्टे खाली पड़े रहते हैं। ये असंतुलन साल के बड़े हिस्से में उत्तराखंड की आर्थिकी को सुस्त कर देता हैं। जबकि सच्चाई यह कि अगर देश- विदेश के लोग, सर्दियों में यहां आए तो उन्हें सच्चे अर्थ में देवभूमि की आभा के दर्शन होंगे। विंटर टूरिज्म में यहां लोगों को ट्रैकिंग, स्कीइंग जैसी एक्टिविटी का रोमांच मिलेगा।

सर्दियों का सीजन धार्मिक यात्रा के लिए भी अहम

प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक यात्रा के लिए भी उत्तराखंड में सर्दियों का समय बेहद खास होता है। यहां इस समय कई तीर्थ स्थलों पर विशेष अनुष्ठान होते हैं। यहां मुखवा गांव में ही जो अनुष्ठान किया जाता है, वो हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है, इसलिए उत्तराखंड सरकार का बारामासी पर्यटन का विजन, लोगों को दिव्य अनुभूति से जोड़ेगा। इससे यहां साल भर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

डबल इंजन की सरकार मिलकर काम कर रही

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम कर रही है। राज्य में चारधाम, ऑल वेदर रोड आधुनिक एक्सप्रेस वे से लेकर रेलवे और हेली सेवाओं का विस्तार हो रहा है।

एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे को मंजूरी प्रदान की है। केदारनाथ रोपवे के जरिए आठ से नौ घंटे की पैदल यात्रा 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। इससे बुजुर्ग, महिलाओं ओर बच्चों की यात्रा सुगम हो सकेगी।

सीमांत गांवों के विकास पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, 2014 से पहले चार धाम यात्रा पर प्रतिवर्ष 18 लाख यात्री ही आते थे, अब हर साल 50 लाख से अधिक यात्री चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल के बजट में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जा रहे हैं। इसके जरिए सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड के बॉर्डर वाले इलाकों में पर्यटक पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती गांवों को आखरी गांव कहा जाता, लेकिन अब उन्हें पहला गांव कहा जा रहा है। इसी क्रम में सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज योजना शुरू की गई है, इसके जरिए नेलांग और जादुंग गांव फिर से बसाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के टिम्मबरसैंण, महादेवसैंण, माणा और जादुंग गांव में पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। जादुंग को 1962 में चीन युद्ध के समय खाली करा दिया गया था, अब 70 साल बाद सरकार इस गांव को फिर से बसा रही है।

गढ़वाली में 'घाम तापो पर्यटन'

प्रधानमंत्री ने देशभर के लोगों खासकर युवाओं से सर्दियों में उत्तराखंड आने का आह्वाहन करते हुए कहा कि सर्दियों में जब देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, तो पहाड़ों में आप धूप का आनंद ले सकते हैं। गढ़वाली में इसे 'घाम तापो पर्यटन' कहते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के कॉरपोरेट से उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि कॉरपोरेट की मीटिंग, कांफ्रेंस, सेमिनार, एक्जीबिशन के लिए देवभूमि से अच्छी जगह नहीं हो सकती है। यहां आकर योग और आयुर्वेद के जरिए आप खुद को रिचार्ज कर सकते हैं। इसी तरह कॉलेज, यूनिवर्सिटी, स्कूलों के नौजवान विंटर ट्रिप के लिए उत्तराखंड आ सकते हैं।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।